Roll No. ……..

# BAJY–102

जन्म कुण्डली निर्माण

कला में स्नातक (ज्योतिष) बी. ए.—12/16/17

प्रथम वर्ष, सत्र 2017

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

## खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. ज्योतिषशास्त्र का विस्तृत परिचय उपस्थापित कीजिए।
2. गतनक्षत्र आर्द्रा का मान 54/30 तथा पुनर्वसु का मान 52/40 एवं इष्टकाल 32/25 तो स्पष्ट चन्द्रसाधन कीजिए।
3. स्वकल्पितोदाहरण द्वारा दशम लग्न साधन उपस्थापित कीजिए।
4. पुष्य नक्षत्र का भयात 45/35 भभोग 65/00 तो दशाज्ञान सहित विंशोत्तरी दशा का भुक्त भोग्यमान साधित कीजिए।

## खण्ड–ख

## (लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. चालन से आप क्या समझते हैं ? स्वकल्पित उदाहरण द्वारा चालन को दर्शाइए।
2. ग्रहों की दृष्टि उपस्थापित कीजिए।
3. अयनांश की परिभाषा लिखकर अयनांश साधन विधि लिखिए।
4. चरखण्ड साधनपूर्वक हल्द्वानी का स्वोदय साधन कीजिए।
5. द्वादश भावों का नाम लिखकर उनकी केन्द्रादि संज्ञा, उपचय-अपचय, त्रिकोण, त्रित्रिकोण, त्रिक स्थान लिखिए।
6. सप्रमाण विंशोत्तरी दशक्रम एवं दशावर्ष प्रमाण लिखिए।
7. नैसर्गिक मित्र-सम-शत्रु-विचार उपस्थापित कीजिए।
8. सोदाहरण नतोन्नत काल ज्ञान की विधि लिखिए।

## खण्ड–ग

## (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सही विकल्प का चयन कीजिए :

1. मघा नक्षत्र के तृतीय चरण का जन्माक्षर क्या होगा ?
   (अ) मा
   (ब) मे
   (स) मी
   (द) मू

2. एक भगण में कितने अंश होते हैं ?
   (अ) $12^{\circ}$
   (ब) $27^{\circ}$
   (स) $360^{\circ}$
   (द) $180^{\circ}$
3. चन्द्रमा का पुत्र कौन-सा ग्रह है ?
   (अ) सूर्य
   (ब) बुध
   (स) शनि
   (द) सोम
4. केतु का विंशोत्तरी दशावर्ष प्रमाण है :
   (अ) 10
   (ब) 9
   (स) 7
   (द) 12
5. शनि की किन-किन भावों पर विशेष दृष्टि होती है ?
   (अ) 7—8
   (ब) 5—9
   (स) 1—7
   (द) 3—10
6. वृष राशि में सप्तम नवमांशेश ग्रह है :
   (अ) सूर्य
   (ब) चन्द्र
   (स) मंगल
   (द) बुध

7. "द्यून" किस भाव की संज्ञा है ?

(अ) चतुर्थ

(ब) पंचम

(स) षष्ठ

(द) सप्तम

8. चरकारक में अंशादि मान में सर्वाधिक ग्रह होता है :

(अ) आत्मकारक

(ब) अमात्यकारक

(स) भ्रातृकारक

(द) मातृकारक

9. "धान्या" योगिनी दशा का वर्ष प्रमाण है :

(अ) 2 वर्ष

(ब) 3 वर्ष

(स) 4 वर्ष

(द) 5 वर्ष

10. मंगल की मूलत्रिकोण राशि है :

(अ) मेष

(ब) मकर

(स) कर्क

(द) वृश्चिक